PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 43 मंगलवार, अगस्त 25, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

विदेश में छिपे गैंगस्टरों पर मोदी सरकार का एक्शन,

मलयेशिया से तीन आरोपी डिपोर्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी): कनाडा और मलेशिया से तीन भगोड़े अपराधियों का प्रत्यर्पण भारत के सुरक्षा ढाँचे और अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के आपसी तालमेल की एक बड़ी सफलता है। देश के गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, पंजाब पुलिस ने केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की मदद से इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। मलेशिया से डिपोर्ट कर भारत लाए गए देविंदर बंबीहा गैंग के तीनों प्रमुख गुर्गों को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें पंजाब पुलिस की कस्टडी में सौंप दिया गया है। वर्ष 2026 में अब तक भारतीय एजेंसियां 'सुरक्षित भारत' अभियान के तहत 51 खतरनाक अपराधियों को विदेशों से वापस लाने में सफल रही हैं।

तीनों आरोपियों की पहचान और पुलिस की कार्रवाई

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल (निवासी फरीदकोट, पंजाब) तथा अजय सिंह और पवनदीप सिंह (दोनों निवासी श्रीगंगानगर, राजस्थान) के रूप में हुई है। पंजाब पुलिस के मुताबिक ये तीनों आरोपी मलेशिया से बंबीहा गैंग का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। ये तीनों हत्या, अवैध रंगदारी, विस्फोटकों की तस्करी और लुधियाना में ग्रेनेड हमले की साजिश रचने जैसे कई संगीन मामलों में वांछित थे।

जसप्रीत सिंह पर गंभीर मामले दर्ज

जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी जसप्रीत सिंह वर्ष 2019 में मलेशिया भाग गया था और वहां जाकर बंबीहा गैंग के शीर्ष भगोड़ों के सीध े संपर्क में आया। जसप्रीत पर वर्ष 2025 में हुए यादविंदर सिंह हत्याकांड और पूर्व छात्र नेता जीवंजोत सिंह चहल उर्फ जुगनू के चालक की हत्या में मुख्य साजिशकर्ता होने का गंभीर आरोप

है। पुलिस अब उससे विदेश से गिरोह को मिलने वाली फंडिंग के बारे में पूछताछ करेगी।

लुधियाना ग्रेनेड हमले की साजिश से संबंध

अन्य दो आरोपियों, अजय सिंह और पवनदीप सिंह पर वर्ष 2025 में लुधियाना में ग्रेनेड हमला करवाने की साजिश रचने का आरोप है। पुलिस ने समय रहते इस हमले की योजना को नाकाम कर दिया था और अक्टूबर 2025 में इनके दो स्थानीय सहयोगियों के पास से चीनी निर्मित च–86 हैंड ग्रेनेड बरामद किए थे।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कनेक्शन

पंजाब पुलिस की प्राथमिक जांच में इन तीनों आरोपियों के तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने की आशंका जताई गई है। अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रत्यर्पण कई महीनों की डिजिटल सर्विलांस और खुफिया ट्रैकिंग का नतीजा है। अब सुरक्षा एजेंसियां तीनों आरोपियों के वित्तीय लेनदेन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों और भारत में मौजूद उनके मददगारों का पता लगाने में जुटी हैं।

नयी दिल्ली (एजेंसी): मुख्य जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को स्पष्ट किया है कि जंतर–मंतर पर छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच के लिए गठित उच्च–स्तरीय जांच समिति (हाई–पावर्ड एन्क्वायरी कमेटी) महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के मामलों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करेगी। सीजेआई ने कहा कि 18 अगस्त के आदेश के अनुसार, इस कमेटी को महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और अन्य प्रकार की हिंसा से जुड़ी शिकायतों पर सबसे पहले विचार करते हुए जल्द से जल्द अपनी अंतरिम रिपोर्ट दाखिल करनी है।

20 जुलाई के छात्र प्रदर्शन से जुड़ा है मामला

यह पूरा मामला तब सामने आया जब सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने 20 जुलाई को जंतर–मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया था। उन्होंने अदालत को बताया कि प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों द्वारा कथित तौर पर छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न किए जाने की गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं। इसी मुद्दे को लेकर एक अलग रिट याचिका भी दायर की गई है, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाई–पावर्ड कमेटी को इस मामले की विशेष जांच करने का निर्देश दिया है।

पांच सदस्यीय कमेटी को सौंपी गई है जांच की जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह ही पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय उच्च–स्तरीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी को छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियोंकृदोनों पक्षों की ओर से लगाए गए हिंसा और दुर्व्यवहार के आरोपों की निष्पक्ष जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कमेटी के अध्यक्ष को शिकायतों को प्राप्त करने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने का अधिकार दिया गया है। इन नोडल अधिकारियों के पदभार संभालने के बाद आम जनता के लिए शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

महिला शिकायतों को मिलेगी सर्वोच्च प्राथमिकता

सर्वोच्च अदालत के निर्देश के मुताबिक, यह कमेटी विशेष रूप से महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ लक्षित हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और किसी भी तरह के द्वितीयक उत्पीड़न की शिकायतों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करेगी। इसके साथ ही, पुलिस बल द्वारा कथित अत्यधिक बल प्रयोग और दुर्व्यवहार के मामलों की गहन जांच कर जल्द से जल्द अंतरिम रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

डेटा आधारित शासन को और मजबूत करें: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

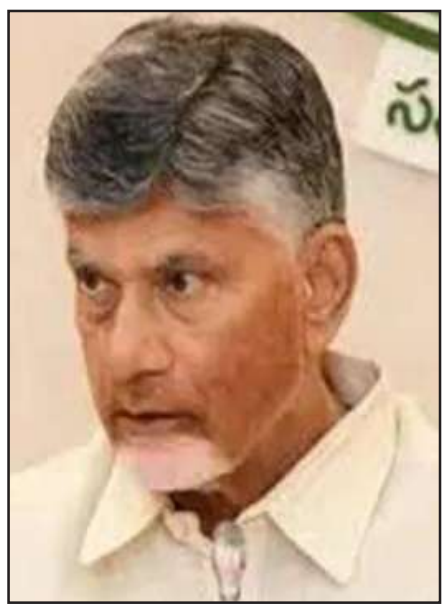

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 24 अगस्त: मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को डेटा आधारित शासन को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए। सोमवार को राजध ानी अमरावती स्थित सचिवालय में उन्होंने रियल टाइम गवर्नेंस पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों के साथ Data&Driven Decision Making पर भी समीक्षा की। उन्होंने क्जं संम की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और AI स्पअपदह स्ंइे तथा AI Stack के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने 'मन मित्र' के तहत WhatsApp Governance सेवाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने ्रूतम प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। च्ळत्ै के माध्यम से जनता की शिकायतों के समाधान की भी समीक्षा की गई। अस्पतालों के डेटा के विश्लेषण को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। डम्च्ड। सेवाओं के प्रदर्शन की समीक्षा करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने त्वत डनजंजपवद प्रक्रिया की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंजीकरण और री–सर्वे से जुड़े मामलों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने F&Line Survey की प्रगति की भी समीक्षा की और राशन वितरण के डेटा के विश्लेषण पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। इस समीक्षा बैठक में RTGS, ITE&C, राजस्व, शिक्षा और कृषि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

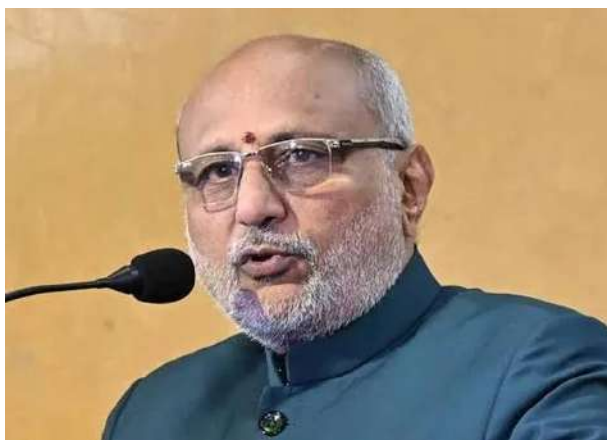

थोड़ी देर हो सकती है, लेकिन नदियों का जुड़ाव निश्चित रूप से होगा: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

एलुरु, 24 अगस्त: उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नूजवीड विधानसभा क्षेत्र के मुसुनूरु में नॉन–ळड्व पॉपकॉर्न हाइब्रिड बीज का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत तेलुगु में की।

उन्होंने कहा, "मैं तेलुगु समझ सकता हूं, लेकिन बोल नहीं सकता। दो महीने पहले मैंने एक तमिल समाचार पत्र में ळवनतउमज कंपनी के प्रबंध निदेशक पट्टाभि की सफलता की कहानी पढ़ी। एक ही उत्पाद को दुनिया भर में पहचान दिलाने के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। 14 जनवरी को पूरा देश मिलकर फसल उत्सव मनाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इसे संक्रांति, तमिलनाडु में पोंगल, पंजाब में लोहड़ी और असम में बिहू के रूप में मनाया जाता है।"

उपराष्ट्रपति ने किसानों के लिए विभिन्न योजनाएं लागू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसानों को किराये पर ड्रोन उपलब्ध कराने की योजना के तहत केंद्र ने महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 1,200 करोड़ आवंटित किए हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत अमेरिका से पॉपकॉर्न मक्का का आयात करना बंद कर देगा और ऐसी स्थिति में पहुंचेगा जहां वह खुद अमेरिका को इसका निर्यात कर सके। उन्होंने कहा कि आठ राज्यों में 17,500 किसानों द्वारा 40,000 एकड़ भूमि पर पॉपकॉर्न मक्का की खेती करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष ईश्वर की कृपा से आवश्यक बारिश होगी और लोगों को इसे

लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि महानदी से कावेरी नदी तक नदियों को जोड़ने की योजना केवल सपना बनकर नहीं रह जाएगी। इसमें कुछ देरी हो सकती है, लेकिन यह परियोजना निश्चित रूप से वास्तविकता का रूप लेगी। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी खाद्य जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। देश की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें किसानों को आवश्यक सहायता और सहयोग प्रदान कर रही हैं, उपराष्ट्रपति राधाकृ ष्णन ने कहा।

वैज्ञानिक सूखा सहने वाले बीज विकसित करें: एपी राज्यपाल

(पेन पॉवर न्यूज):
एलुरुः आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने कहा कि किसान भारत की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों में संकट के बावजूद कृषि ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्यपाल ने बताया कि कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में 17 प्रतिशत का योगदान देते हैं। एलुरु जिले के नूजवीड विधानसभा क्षेत्र के मुसुनूरु में नॉन–ळड्व पॉपकॉर्न हाइब्रिड बीज के अनावरण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ळवनतउमज च्वचबवतदपबं फैक्ट्री में आयोजित इस कार्यक्रम में एपी राज्यपाल अब्दुल नजीर ने भाग लिया।

इस अवसर पर अब्दुल नजीर ने वैज्ञानिकों से सूखा सहने वाले बीजों पर अनुसंधान करने और उन्हें विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पहले भारत अपनी लगभग 70 प्रतिशत मक्का उत्पाद आवश्यकताओं के लिए अर्जेंटीना और ब्राजील से आयात करता था। इसके कारण आयात पर खर्च होने वाला पैसा इन देशों में चला जाता था। अब यही धन भारत के किसानों को मिल रहा है, उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन,

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, मंत्री नारा लोकेश और अधिकारी शामिल हुए। इससे पहले मंत्री लोकेश ने एलुरु में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन और राज्यपाल अब्दुल नजीर का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद सभी मुसुनूरु पहुंचे।

इस बीच, मंत्री लोकेश ने ग पर इस कार्यक्रम को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पोस्ट किया कि उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर का एलुरु में स्वागत करना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि भारत के पहले नॉन–ळड्व पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज के अनावरण कार्यक्रम में उनके साथ शामिल होने की वह प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने इसे किसानों के लिए नए नवाचारों और अधिक मूल्य सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सोशल मीडिया पर स्थानीय निकाय चुनावों के प्रचार पर एपी SEC अनिल चंद्र पुनेठा की प्रतिक्रिया

अमरावती, 24 अगस्त: राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल चंद्र पुनेठा ने स्थानीय निकाय चुनावों के कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे प्रचार पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों के कार्यक्रम को लेकर वायरल हो रही खबरें फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि ॅींजे।चच पर प्रसारित किए जा रहे चुनाव की तारीखें और कार्यक्रम नकली हैं। उन्होंने कहा कि आधिकारिक अनुमति के बिना निर्वाचन आयोग के नाम और लोगो का दुरुपयोग करना कानूनन अपराध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे झूठी सूचनाओं पर विश्वास न करें और उन्हें साझा भी न करें। SEC ने चेतावनी दी कि गलत सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ साइबर कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनावों से संबंधित जानकारी केवल आधिकारिक घोषणाओं के माध्यम से ही जारी की जाएगी।

पात्र लाभार्थियों को जल्द मिलेंगे नए मकान और पेंशन: मंत्री निम्मला रामानायडू

(पेन पॉवर न्यूज):
कुर्नूल, 24 अगस्त: मंत्री निम्मला रामानायडू ने कहा कि अल नीनो के प्रभाव से परेशान किसानों को राहत देने के लिए स्स्ब् और भ्स्ब् नहरों में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन के उम्मीदवार 100 प्रतिशत जीत हासिल करेंगे।

उन्होंने कहा कि 'राइजिंग स्टार' के रूप में उभर रहे नारा लोकेश के नेतृत्व में ड्रोन हब के साथ–साथ कई उद्योग स्थापित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनता को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

मंत्री ने बताया कि कुर्नूल जिले के लिए दो चरणों में कुल 10 गुरुकुल विद्यालय मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले वर्ष आलूर के लिए एक गुरुकुल विद्यालय मंजूर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू सरकार पिछड़ा वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने

यह भी बताया कि मंत्री लोकेश एक बार फिर DSC के माध्यम से सरकारी नौकरियों में भर्ती शुरू करने के लिए तैयार हैं।

निम्मला ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि उसे पोलवरम और रायलसीमा के मुद्दों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने चुनौती दी कि पिछले दो वर्षों में सिंचाई परियोजनाओं पर कितना खर्च किया गया, इस विषय पर वे बहस के लिए तैयार हैं।

मंत्री निम्मला रामानायडू ने घोषणा की कि पात्र लोगों को जल्द ही नए मकान और पेंशन प्रदान की जाएंगी।

संपादकीय

साथ रहें तभी कम्युनिस्टों को मिलेगी ताकत और सफलता

कम्युनिस्ट आंदोलन के शुभचिंतक, सहानुभूति रखने वाले, समर्थक और लोकतांत्रिक बुद्धिजीवी चाहते हैं कि सभी कम्युनिस्ट पार्टियां एकजुट हों। उनका कहना है कि कम्युनिस्टों की एकता से मोदी सरकार और आरएसएस की कथित फासीवादी नीतियों का मुकाबला करना संभव होगा। एकता की मांग को लेकर सम्मेलन भी आयोजित किए जा रहे हैं और इस तरह अपनी आकांक्षा व्यक्त की जा रही है। यदि भारत के सभी कम्युनिस्ट एक ही मार्क्सवादी–लेनिनवादी पार्टी के रूप में संगठित हों, तभी एक मजबूत क्रांतिकारी आंदोलन खड़ा करके मौजूदा शोषणकारी व्यवस्था को बदलना संभव होगा। एकता केवल मोदी सरकार और आरएसएस की नीतियों तथा धार्मिक नफरत का विरोध करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। मौजूदा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिए साझा समझ, रणनीति और कार्यक्रम होना चाहिए और उसे लागू भी किया जाना चाहिए। आज देश में कम्युनिस्ट आंदोलन कई कम्युनिस्ट पार्टियों में विभाजित है। इनमें क्रांतिकारी पार्टियां और संसदीय पार्टियां दोनों शामिल हैं। उन्होंने अपनी–अपनी रणनीति और कार्यक्रम बनाए हैं और उन्हें लागू करने का प्रयास कर रही हैं। क्रांतिकारी कम्युनिस्ट पार्टियों और संसदीय कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच वर्तमान व्यवस्था की प्रकृति, इसे किस प्रकार बदला जाना चाहिए, शासक वर्गों के चरित्र, सामंती व्यवस्था और बड़े पूंजीपति वर्ग की प्रकृति को लेकर गंभीर मतभेद हैं। दोनों की विचारधाराएं एक–दूसरे से मेल नहीं खातीं।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था और उसे बदलने के तरीके को लेकर साझा समझ के बिना एकता कैसे संभव हो सकती है? कम्युनिस्ट एकता की मांग करने वाले सभी मित्रों को इस वास्तविकता को समझना चाहिए। व्यवस्था और उसे बदलने के तरीके को लेकर साझा समझ के बिना बनी एकता आखिर टिक कैसे सकती है? क्रांतिकारी कम्युनिस्ट पार्टियों में व्यवस्था और उसमें परिवर्तन को लेकर मूल रूप से समान समझ है। (कुछ क्रांतिकारी पार्टियां अपनी पुरानी स्थिति से हट चुकी हैं।) हालांकि, उनके द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीतियों में अंतर है। कुछ पार्टियों ने अतिवादी नीतियां अपनाईं, जिसके गंभीर दुष्परिणाम हुए। यदि क्रांतिकारी पार्टियां आत्मालोचना की प्रक्रिया के तहत अपने कार्यों की समीक्षा करें और परिणामों से सबक लें, तो मतभेदों को दूर किया जा सकता है।

क्रांतिकारियों की एकता की बात करने वाली क्रांतिकारी पार्टियों को इसके लिए किसी पूर्वाग्रह या व्यक्तिपरक सोच का शिकार नहीं होना चाहिए। ऐसा होने पर क्रांतिकारी पार्टियों के बीच एकता संभव है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए समर्पित क्रांतिकारी पार्टियों को स्वतंत्र रूप से भी और सामूहिक रूप से भी ऐसी समीक्षा के लिए आगे आना चाहिए। इससे मिले सबक को क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए।

संसदीय व्यवस्था का अनुसरण करने वाली पार्टियां समाजवाद की बात करती हैं। ये पार्टियां कहती हैं कि संसदीय व्यवस्था के माध्यम से समाजवाद हासिल किया जा सकता है, लेकिन संसदीय राजनीति में भी वे स्वतंत्र नीति का पालन नहीं कर रही हैं। उनकी वर्तमान नीतियां सोशल डेमोक्रेट्स की नीतियों जैसी दिखाई देती हैं। बुर्जुआ पार्टियों के साथ चुनावी गठबंधन ही उनकी संसदीय राजनीति का प्रमुख आधार बन गए हैं और इसके समर्थन में ऐसे स्पष्टीकरण दिए जाते हैं जो इस नीति से पूरी तरह मेल नहीं खाते। किसी भी देश में केवल चुनावों के माध्यम से व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन नहीं हुआ है। मौजूदा संवैधानिक तंत्र को समाप्त किए बिना और नया संवैधानिक ढांचा स्थापित किए बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं है। लेनिन ने अपनी रचना 'राज्य और क्रांति' में इस विषय को स्पष्ट किया है।

मार्क्सवाद–लेनिनवाद के सिद्धांतों के प्रकाश में यह तय किया जाना चाहिए कि कम्युनिस्ट चुनावों में क्यों भाग लें और चुनावों में भागीदारी के माध्यम से जनता को क्रांतिकारी आंदोलन की दिशा में संगठित करने के लिए कौन–सी रणनीति अपनाई जाए। इसी दृष्टिकोण के साथ चुनावों में भाग लेना चाहिए। इसके विपरीत यदि कम्युनिस्ट केवल चुनावी राजनीति में भाग लेते हैं, तो उसका कोई विशेष लाभ नहीं होगा। संसदीय पार्टियों को मार्क्सवाद–लेनिनवाद को मार्गदर्शक मानते हुए अब तक अपनाई गई नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए। इस समीक्षा से मिले सबक को क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं और कम्युनिस्ट समर्थकों तक पहुंचाना चाहिए।

कम्युनिस्ट आंदोलन में दो परस्पर विरोधी धाराएं काम कर रही हैं। दोनों अपनी–अपनी वैचारिक स्थितियों पर कायम हैं। इसलिए इन दोनों धाराओं के बीच तत्काल एकता संभव नहीं है। दोनों के बीच एकता की संभावना तभी बनेगी, जब वर्तमान व्यवस्था, क्रांति के चरण और बड़े पूंजीपति वर्ग की प्रकृति को लेकर साझा समझ विकसित होगी।

विभिन्न कम्युनिस्ट संगठनों को अपनी–अपनी वैचारिक समझ को बनाए रखते हुए उन मुद्दों पर संयुक्त कार्रवाई जारी रखनी चाहिए, जिन पर उनकी साझा समझ है। कुछ मुद्दों पर पहले से ही संयुक्त कार्रवाई चल रही है। यह मुख्य रूप से केंद्र और राज्य सरकारों की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ है। इस संयुक्त कार्रवाई का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। भारत के कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में अमेरिकी साम्राज्यवादी प्रभुत्व की नीतियों के खिलाफ, ग्रामीण गरीबों के बीच भूमि वितरण के लिए, उर्वरकों और बीजों पर सब्सिडी बढ़ाने के लिए, कॉरपोरेट कृषि के खिलाफ, ग्रामीण गरीबों पर जमींदारों और दबंग वर्गों के हमलों के खिलाफ, साम्राज्यवादी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शोषण के खिलाफ तथा जन आंदोलनों पर सरकारी दमन के खिलाफ जन आंदोलनों के निर्माण के लिए संयुक्त कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। ऐसी संयुक्त कार्रवाई के अनुभवों के आधार पर भारतीय सामाजिक व्यवस्था, भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन के चरण और साझा कार्यक्रम को लेकर एक साझा समझ विकसित की जानी चाहिए। ऐसी संयुक्त कार्रवाई ही कम्युनिस्टों की एकता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। कम्युनिस्ट एकता की मांग करने वाले सभी मित्रों को इसी विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

राष्ट्रगीत वन्देमातरम पर कांग्रेस और उसका गठबंधन फिर बेनकाब

संसद के मानसून सत्र में राष्ट्रगीत वंदेमातरम को राष्ट्रगान जन- गण -मन के समान दर्जा देने वाला, 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान के रोकथाम संशोधन विधेयक - 2026' संसद के दोनों सदनों से पारित होने के पश्चात राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से कानून बन चुका है। कानून के अंतर्गत राष्ट्रगान की तरह ही राष्ट्रगीत में भी बाधा डालने या इसका अपमान करने को आपराधिक कृत्य माना जाएगा।अभी तक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 में देश के राष्ट्रीय प्रतीकों -राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान का अनादर या अपमान करना ही अपराध की श्रेणी में था जिसके लिये तीन साल तक की जेल की सजा का प्राविधान था। 2026 संशोधन के माध्यम से इसमें वंदेमातरम को भी शामिल कर लिया गया है। संशोधन विधेयक के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर किसी को राष्ट्रगीत गाने से रोकता है तो अपराधी माना जाएगा। राष्ट्रगीत गा रहे किसी सभा या समूह में बाधा या अशांति उत्पन्न करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। धारा- 3 के अंतर्गत दोषी पाए जाने वाले को तीन वर्ष तक की जेल अथवा जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। दोबारा अपराध करने पर कम से कम 1 वर्ष की न्यूनतम जेल की सजा का प्रावधान भी है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक प्रस्तुत करते समय कहा कि वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है इसलिए इसे भी राष्ट्रगान की तरह ही कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। संसद सत्र के अंतिम दिन लोकसभा में इतिहास में पहली बार संपूर्ण वंदेमातरम का गायन किया गया। वहीं 80 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने लंबे कालखंड के पश्चात लाल किले की प्राचीर से प्रथम बार संपूर्ण वंदेमातरम का गायन हुआ। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम का बहिष्कार किया अपितु वंदेमातरम के अपमान में भी कोई कसार नहीं छोड़ी। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय से स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का एक वीडियो आया है, जिसमें श्रीमती सोनिया गांधी वंदेमातरम के गायन पर बाधा उत्पन्न करती दिखाई दे रही हैं। बाद में राहुल गाँधी भी यही करते दिखाई दिए। जब देश में कांग्रेस द्वारा वन्दे मातरम के अपमान पर व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए तथा अनेक शहरों में नए कानून के अंतर्गत शिकायतें दर्ज होने लगीं, तब कांग्रेस ने अपनी सफाई में कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी ने खरगे जी के लिए कुर्सी मंगवाई थी। ऐसा ही घटनाक्रम पणजी में घटित हुआ जहां पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने स्पष्ट कर दिया कि वह वही राष्ट्रगीत गाएंगे जिसे 1937 में महात्मा गांधी, सरदार पटेल और जवाहर लाल नेहरू ने गाया था। कांग्रेस कार्यसमिति ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हम 1937 वाला राष्ट्रगीत ही गाएंगे भले ही हमें जेल मे डाल दिया जाए।कांग्रेस के इस लज्जा जनक व्यवहार के बाद राष्ट्रगीत वंदेमातरम को लेकर एक बार फिर घमासान छिड़ गया है। मुस्लिम तुष्टिकरण वाले दल सपा के मुखिया अखिलेश यादव अपना अलग ही तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, उनका कहना है कि वन्देमातरम इतना कठिन और लंबा है कि कोई इसे गा ही नहीं सकता। वंदेमातरम गीत की रचना बंगाल के बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में की

थी जिसे बाद में उन्होंने अपने प्रसिद्ध उपन्यास आनंद मठ में स्थान दिया। प्रारंभ में यह रचना बंगदर्शन पत्रिका में उपन्यास के धारावाहिक प्रकाशन में प्रकाशित हुई। पुस्तक रूप में 1882 में आनंदमठ उपन्यास बांग्ला भाषा में प्रकाशित हुआ। वंदेमातरम गीत को स्वर प्रदान किया था यदु भट्ट ने तथा 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्र नाथ टैगोर ने यह गीत गाया था। आनंद मठ उपन्यास का भाव सनातन धर्म है और उसी के अनुरूप उसका कथानक विकसित हुआ। देशभक्ति के जिस धर्म का प्रतिपादन बंकिम ने किया है उसका मूलमंत्र देश की माँ के रूप में वंदना और देशवासियों की संतान के रूप में उसके हितार्थ सर्वस्व अर्पण की उत्सुकता है। इसी भाव ने वंदेमातरम को भारत में राष्ट्रभक्ति मन्त्र बनाया है। ऐसे महान राष्ट्रगीत का कांग्रेस पार्टी 1937 से केवल मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण अपमान करती चली आ रही है। कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए वंदेमातरम के केवल दो छंद गाने का जो काला अध्याय शुरू किया था वह आज भी उसी अध्याय पर खड़ी है। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस में कभी पूरा वंदेमातरम गाया ही नही गया। दिसंबर 1906 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में स्वयं रवींद्र नाथ जी ने पूरा वंदेमातरम गाते हुए पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की थी। जिसे दादाभाई नौरोजी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में घोषित किया किंतु गोपाल कृष्ण गोखले को यह विचार पसंद नही आए और उन्होंने कांग्रेस अधिवेशन का बहिष्कार कर दिया। 1907 अधिवेशन के पश्चात कांग्रेस में राष्ट्रवादियों का स्थान समाप्त हो गया। वंदेमातरम गायन का विरोध 28 दिसम्बर 1923 में कांग्रेस के काकीनाडा सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मुहम्मद अली ने किया था। 1937 की प्रांतीय विधान सभाओं में जहां भी राष्ट्रगीत का गायन हुआ तो मुस्लिम सदस्यों ने आपत्ति उठाई। 1937 में इस विषय पर विचार करने के लिए एक समिति बनाई गई जिसमें सुभाष,नेहरू, नरेंद्र देव शामिल हुए। समिति की ओर से सुभाष के निवेदन पर रवींद्रनाथ ने वंदेमातरम का समर्थन किया था। यह समिति अंत तक वंदेमातरम के समर्थन में ही रही किंतु जब मुस्लिम लीग ने 1908 के अमृतसर सम्मेलन में तय कर लिया कि उसे राष्ट्रगीत वंदे मातरम, रक्षाबंधन और शिवाजी जयंती जैसे पर्व स्वीकार्य नहीं हैं तब कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में आकर 26 दिसंबर 1937 के प्रस्ताव में स्पष्ट किया कि उसने कभी भी वंदेमातरम को स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस आज भी वहीं ठहरी हुई है, 1937 में ही मुस्लिम लीग के समक्ष अपने टेके हुए घुटनों के साथ। 1937 में कांग्रेस ने जो किया उसके कारण ही देश का विभाजन हुआ।

विपक्ष ने सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध किया

पूरी प्रक्रिया में कुछ भी ऐसा नहीं था, जिसका विरोध किया जाना चाहिए। परंतु विपक्ष ने सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध किया इसके पीछे एक कारण यह भी था कि विपक्षी पार्टियां लगभग सारे समय छात्रों के आंदोलन से दूर रही थीं। जब उनको लगा कि छात्रों के अंदर आक्रोश है तब तक देर हो गई थी। उसी की भरपाई करने के लिए विपक्षी पार्टियां ओवरटाइम कर रही हैं। संत कवि रहीम ने लिखा है, 'क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। का रहिमन हरि घट्यो, जो भृगु मारी लात'। इसका अर्थ है कि क्षमा करना बड़े लोगों की शोभा है। उन्होंने अपने इस दोहे में एक प्राचीन हिंदू कथा का हवाला दिया है, जिसके मुताबिक भृगु ऋषि एक बार भगवान विष्णु से मिलने गए। उस समय भगवान विश्राम कर रहे थे। इससे नाराज भृगु ने उनकी छाती पर लात मार दिया। इसके बावजूद निद्रा से उठे भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि को प्रणाम किया और उनकी बात सुनी। कहते हैं कि इससे नाराज होकर मां लक्ष्मी पृथ्वी पर आ गई थीं और उन्हें खोजते हुए विष्णु भगवान भी पृथ्वी पर आए। तिरूमाला की पहाड़ियों में उनको मां लक्ष्मी मिलीं। वहीं तिरुपति के रूप में भगवान विराजमान हैं, जो आज एक प्रसिद्ध तीर्थ है। बहरहाल, रहीम का दोहा और यह प्रसंग बताने का उद्देश्य यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़प्पन दिखाया है। उन्होंने एक वीडियो जारी किया, जिसमें अपनी पीड़ा भी जाहिर की लेकिन साथ ही उनके और उनकी मां के लिए अपमानजनक शब्द कहने वाले छात्रों और युवाओं को 'गुमराह बच्चे' बताते हुए उनको

माफ भी कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे नहीं चाहते हैं कि बच्चों को परेशानी हो और उन्हें कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ें। इसलिए उन्होंने खुद भी बच्चों को माफ किया और समाज से भी अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों के प्रति ऐसा ही सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाएं। प्रधानमंत्री ने एक अभिभावक के रूप में बच्चों के भविष्य की चिंता जताई और उन्हें सही राह दिखाने की आवश्यकता भी बताई। प्रधानमंत्री के वीडियो का एक पहलू तो यह है, जिसमें वे एक अभिभावक के तौर पर बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए उनको माफ कर रहे हैं और सही रास्ते पर लाने की आवश्यकता बता रहे हैं, जबकि दूसरा पहलू एक संवेदनशील प्रधानमंत्री के तौर पर यह स्वीकार करने का है वे समाज में विद्यमान आक्रोश को समझ रहे हैं। यह साधारण बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि समाज में आक्रोश है। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि इस आक्रोश की अभिव्यक्ति के तौर पर छात्रों और युवाओं ने जंतर मंतर पर जो कुछ कहा या किया इसके लिए उनको सजा न मिले, बल्कि उनको यह संदेश जाए कि सरकार ने उनके सरोकारों को समझा है। तभी प्रदर्शनकारी छात्रों से किए गए वादे के मुताबिक सरकार ने हर जगह मुकदमे वापस किए हैं। छात्रों पर दर्ज एफआईआर रद्द की गई है। प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी के लोगों को भी यह संदेश दिया कि वे सोशल मीडिया में या समाज में सार्वजनिक जगहों पर बच्चों को सजा देने या परेशान करने वाला कोई काम नहीं करें। इस पहल से छात्रों व युवाओं का विश्वास बहाल होगा। ध्यान रहे भारतीय संस्कृति में क्षमा को बहुत महत्व दिया गया है। प्रधानमंत्री की ओर से छात्रों को क्षमा करने का भाव दिखाने के बाद नोएडा की एक छात्रा का वीडियो वायरल हुआ, जिसने जंतर मंतर पर प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द कहे थे। उस नाबालिग लड़की ने अपनी बातों पर अफसोस जताया। ग्लानि का भाव उसकी बातों से स्पष्ट झलक रहा था। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की पहल के बाद ऐसा भाव लाखों युवाओं के मन में आया होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले शुक्रवार की देर रात को जारी वीडियो में कहा हो कि वे समाज में विद्यमान आक्रोश को समझ रहे हैं। लेकिन असल में वे इसे पहले ही समझ गए थे और तभी नीतिगत पहल का ऐलान कर दिया था ताकि लोगों का आक्रोश समाप्त हो और व्यवस्था में विश्वास बहाल हो। उन्होंने इसकी शुरुआत गुरुवार, 23 जुलाई को ही कर दी थी, जिस दिन पेपर लीक रोकने के लिए कठोर सजा के प्रावधान वाला बिल लाने की घोषणा की थी। उसके तुरंत बाद 'पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' को कैबिनेट ने मंजूरी दी। सोमवार को यह बिल लोकसभा में पेश किया गया। मंगलवार और बुधवार की चर्चा के बाद इसे लोकसभा ने मंजूरी दी और गुरुवार को राज्यसभा से बिल मंजूर हो गया। यह संयोग है कि गुरुवार की शाम को ही प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। छात्रों, युवाओं और उनके अभिभावकों के सरोकारों को समझते हुए प्रधानमंत्री ने नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का गठन किया। यह कमेटी परीक्षा प्रणाली की कमियों को पहचान कर उसमें सुधार के सुझाव देगी। इस कमेटी में इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ और आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामकोटि भी शामिल हैं। दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष ने इसका समर्थन करने की बजाय इसका भी विरोध शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में आधार की ऑथोरिटी के प्रमुख रहे नंदन नीलेकणी को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है लेकिन कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को लग रहा है कि नीलेकणी सिर्फ एक आईटी कंपनी के मालिक हैं। सरकार की इस बड़ी पहल को कमतर बताने के मकसद से उन्होंने देश में आईटी क्रांति से जुड़े एक प्रतिष्ठित उद्यमी, सम्मानित समाजसेवी, विजनरी लीडर और आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी का तो अपमान किया ही अपनी ही सरकार के किए काम को भी कमतर बना दिया। इसी तरह उन्होंने वी कामकोटि को गोमूत्र विशेषज्ञ कह कर मजाक उड़ाया। सबको पता है कि कामकोटि भारत सरकार के 'शक्ति प्रोजेक्ट' के प्रमुख रहे हैं, जिसके तहत सेमीकंडक्टर और एआई की आधारशिला को मजबूत किया गया था। प्रियंका गांधी वाड्रा ने जो कहा कि वह सिर्फ सरकार की पहल का विरोध नहीं है, बल्कि भारतीय जीवन मूल्यों से जुड़े प्रतीकों का मजाक उड़ाने की मानसिकता को भी दिखाता है। पता नहीं कांग्रेस के लोगों को सनातन से जुड़े प्रतीकों से इतनी नफरत क्यों है? बाद में देश के दो सौ से ज्यादा शिक्षाविदों और कुलपतियों व पूर्व कुलपतियों ने एक खुला पत्र लिख कर प्रियंका गांधी वाड्रा की कही गई बात पर आपत्ति दर्ज कराई। बहरहाल, पेपर लीक पर कठोर सजा के प्रावधान करने वाला बिल पास हो गया है। अब देश में कहीं भी पेपर लीक होने पर उसकी जांच विशेष जांच टीम यानी एसआईटी करेगी और दो महीने में जांच पूरी करेगी। इसके बाद तीन महीने के भीतर फास्ट ट्रैक कोर्ट में इसकी सुनवाई पूरी होगी। उसके बाद एक महीने का समय होगा हाई कोर्ट में अपील करने के लिए। हाई कोर्ट में भी इस मामले की सुनवाई तीन महीने में पूरी करने का प्रावधान है। इसका अर्थ है कि मामला दर्ज होने के नौ महीने के भीतर जांच और अभियोजन की प्रक्रिया पूरी करनी है। नए कानून के तहत 10 साल तक की कैद और 10 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

आज का राशि फल

मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

मथुरा में कारें आधी डूबीं, अंडरपास में पानी भरा

नोएडा में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियों पर पानी यूपी के 15 शहरों में बारिश, 2 की मौत

लखनऊ/वाराणसी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। सोमवार को नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, मेरठ, वाराणसी और मथुरा समेत 15 शहरों में रुक-रुक कर तेज बारिश हुई। मथुरा में इतनी बारिश हुई कि अंडरपास में 2 फीट तक पानी भर गया। सड़कें तालाब बन गईं। कारें आधी डूब गईं। कई बाइक और ऑटो भी पानी में फंसकर बंद हो गए।

नोएडा में सेक्टर 62 मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियों के पास पानी भर गया। गाजीपुर और जौनपुर में 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक युवक की जान चली गई। मुगलसराय में कच्ची दीवार गिरने से एक मासूम की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने आज 65 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 9 जिलों में बहुत भारी और 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इधर, लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 92 गांवों में फसलें खराब हो गई हैं। 26 गांव टापू बन गए हैं। ललितपुर में रविवार को सैर नाले पर बना पुल डूब गया। तेज बहाव के बीच एक युवक बाइक लेकर पुल पार करने लगा, जिससे उसकी बाइक बह गई। गनीमत रही कि युवक बाल-बाल बच गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- पूर्वी यूपी में बने चक्रवाती सिस्टम और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। अगले कुछ दिन तक पूर्वी यूपी में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पूर्वी यूपी के दक्षिणी हिस्सों में बहुत भारी बारिश के आसार हैं। पश्चिमी यूपी में पछुआ हवाओं की वजह से फिलहाल तेज या भारी बारिश की संभावना काफी कम है।

झांसी में बारिश बनी आफत! मकान का हिस्सा भरभराकर गिरा

मलबे में दबे दंपति, पत्नी की मौत

झांसी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। लगातार हो रही बारिश के बीच सोमवार सुबह शहर कोतवाली क्षेत्र की चूड़ी वाली गली में एक मकान का पिछला हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान में मौजूद पति-पत्नी मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने मलबे के नीचे दबे मुकेश कुमार और उनकी पत्नी सूरज देवी को बाहर निकाला। दोनों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान सूरज देवी की मौत हो गई, जबकि मुकेश कुमार का गंभीर हालत में उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि मकान का पिछला हिस्सा काफी पुराना था। इसका कुछ हिस्सा कच्चा और कुछ हिस्सा पक्का था। लगातार बारिश के कारण यह हिस्सा कमजोर होकर धंस गया और अचानक भरभराकर गिर पड़ा।

आजम का किला ढहाने वाले आईएएस को नहीं मिला सेवा-विस्तार

संगीता सिंह मुरादाबाद की कमिश्नर बनीं, यूपी में 17 आईएएस के तबादले

अलीगढ़, 24 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने रविवार रात 17 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। अलीगढ़ कमिश्नर संगीता सिंह को मुरादाबाद की कमान सौंपी गई। इसके साथ ही यह साफ हो गया है कि सपा नेता आजम खान का किला ढहाने वाले मुरादाबाद कमिश्नर आन्जनेय सिंह को 8वीं बार सेवा विस्तार नहीं मिला। उन्हें सरकार ने रिलीव कर दिया। अब उनका सिक्किम कैडर में लौटना तय है। हालांकि, वे अब नई दिल्ली में सिक्किम के स्थानिक आयुक्त के पद पर तैनाती पाने का प्रयास कर रहे हैं।

इसके अलावा, यूपी जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. राजशेखर को हटा दिया गया है। उनकी कार्यशैली से जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह नाराज थे। चैत्रा वी को मंत्री दयाशंकर दयालु की नाराजगी के बाद हटा दिया गया है। चीनी की किल्लत की खबरों के बीच वेटिंग में चल रहीं आईएएस अमृत पाल कौर को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें चीनी मिल्स संघ लिमिटेड का संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाया गया है।

आन्जनेय सिंह 6 मार्च 2021 से 14 अगस्त 2026 तक 5 साल और 5 महीने मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर (मंडलायुक्त) रहे। 14 अगस्त को उनके सेवा विस्तार की अवधि खत्म हो गई थी। अगले दिन 15 अगस्त को वे मुरादाबाद के डीएम राजेंद्र पेंसिया को अपना चार्ज देकर 2 माह की छुट्टी पर चले गए थे।

आन्जनेय सिंह 2005 बैच के सिक्किम कैडर के आईएएस हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुरोध पर सपा सरकार में अखिलेश यादव उन्हें यूपी लाए थे। तब से लगातार 7 बार उन्हें यूपी में सेवा विस्तार दिया गया। आन्जनेय सिंह ने अपने मूल कैडर सिक्किम में महज 8 साल बिताए हैं। यूपी में उन्हें नौकरी करते हुए 11 साल पूरे हो गए थे।

आन्जनेय वही अफसर हैं, जिनके बारे में 2019 में दी गई हेट स्पीच की वजह से आजम को विधायकी तक गंवानी पड़ी थी। तब आन्जनेय रामपुर के डीएम यानी कलेक्टर हुआ करते थे। 2019 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आजम ने कहा था- कलेक्टर-फलक्टर से मत डरियो, ये तनखैय्या हैं..तनखैय्यों से नहीं डरते हैं। अल्लाह ने चाहा तो इनसे जूते साफ कराऊंगा। आजम को यह बयान बहुत महंगा पड़ा। डीएम रहते हुए आन्जनेय ने आजम के खिलाफ एक के बाद एक कई कड़ी कार्रवाई की। आजम को 3 साल की सजा हुई। यूपी जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. राजशेखर को साइडलाइन कर दिया गया है। उन्हें नियोजन विभाग का सचिव बनाया गया है। माना जा रहा है कि गांवों में हर घर नल योजना के क्रियान्वयन की शिकायतों के बाद उनका तबादला किया गया है। राजशेखर की कार्यशैली से जलशक्ति मंत्री नाराज थे।

इसके अलावा, विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव से भी उनकी नहीं बन रही थी। पिछले दिनों एक बैठक में सीएम योगी ने भी नाराजगी जाहिर की थी। राजशेखर की जगह सहकारिता विभाग के आयुक्त योगेश कुमार को जल निगम का प्रबंध निदेशक जैसा अहम पद सौंपा गया है।

महानिदेशक आयुष एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय आयुष मिशन के पद पर तैनात चैत्रा वी. को साइडलाइन कर राजस्व परिषद में सदस्य बनाया गया है। चैत्रा वी. की विभाग के प्रमुख सचिव रंजन कुमार और विभागीय मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु से नहीं पट रही थी। दोनों उनके कामकाज को लेकर नाराज थे।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 4 लाख का ही लोन मिलेगा

बैकफुट पर आई बिहार सरकार

4 दिन में 2 बार राज्यपाल से मिले सीएम सम्राट चौधरी

पटना, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 4 लाख का लोन ही मिलेगा। सीएम सम्राट चौधरी ने X पर पोस्ट लिखा है कि 'स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में किसी भी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए। उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिल रहा है और यह सुविधा आगे भी पूर्ववत ही जारी रहेगी। बिहार सरकार युवाओं की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षा के रास्ते में आर्थिक संसाधन को कभी भी बाधा नहीं बनने दिया जाएगा।' इस ऐलान के बीच सीएम सम्राट चौधरी ने आज राज्यपाल से मुलाकात की है। 4 दिन के अंदर मुख्यमंत्री की गवर्नर से ये दूसरी मुलाकात है।

काल गणना मनु ने दी, आपके नाना-परनाना ने नहीं

राहुल गांधी पर बरसे योगी, कहा- देश को आपसे कोई अपेक्षा नहीं

रायबरेली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के महाराष्ट्र में दिए बयान पर पलटवार किया है। सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी बेटियों को भड़काने का काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि मनुस्मृति से बाहर निकल आएं। उन्होंने कहा कि काल गणना मनु ने दी। राहुल जी, यह आपके नाना ने नहीं दी है, परनाना ने नहीं दी है, आपकी दादी ने नहीं दी है।

सीएम योगी ने राहुल गांधी के बयान का जिक्र किया। सीएम योगी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी पर जमकर बरसे। कहा कि राहुल गांधी के रूप में ये देश आपसे बहुत अपेक्षा नही करता, लेकिन भारत की संसद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आपको देश के लोकतंत्र के रूप में जवाबदेह बनाता है।

सीएम योगी रायबरेली में वीर सेनानायक राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों को भूल जाते हैं, उसका कोई भविष्य नही होता।

सीएम योगी राहुल गांधी पर जमकर बरसे। सीएम योगी ने कहा कि दुर्भाग्य से भारत की परंपरा और मूल्यों को विस्मृत करके भ्रम में डालकर एक ठेका ले लिया है, भारत के खिलाफ षडयंत्र करने का।

सीएम योगी ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आपने संविधान की शपथ ली थी, आप भारत की परंपरा को विरासत को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। यूपी के बाहर जाते हैं तो यूपी को लांछित और अपमानित करते है, भारत के बाहर जाते हैं तो भारत का अपमान करते हैं। योगी ने राहुल पर जमकर हमला बोला, उन्होंने कहा कि भारत की सेना जब सीमाओं पर लड़ती है तो आप भारत सेना से प्रमाण मांगते हैं,आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में देशद्रोही तत्वों को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के अस्तित्व पर आपकी पार्टी प्रश्न खड़ा करती है, और लोकतंत्र के प्रति आपकी निष्ठा क्या है, यह तो 1975 में इस देश ने आपातकाल के काले साये को देखा है।

सीएम योगी ने राहुल को सलाह देते हुए कहा कि सीएम योगी ने राहुल गांधी को सलाह दी कि मनु को जानना है, तो अथर्ववेद पढ़िए, मत्स्य पुराण पढ़िए, सारी जानकारी मिल जाएगी।

मधेपुरा के मंदिर में धक्का-मुक्की में 8 घायल

बैरिकेडिंग पर गिरने से महिला का सिर फटा सावन सोमवार पर जलाभिषेक के लिए कतारें

मधेपुरा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में सावन के अंतिम सोमवार पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। इससे मंदिर परिसर में धक्का-मुक्की शुरू हो गई और कतार टूटने से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कुछ श्रद्धालु गिर गए। एक महिला के सिर में चोट लगी, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं।

भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उसकी वर्दी भी फट गई।

सभी घायलों को जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। करीब आधे घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। इसके बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया। फिलहाल मंदिर में पूजा और जलाभिषेक जारी है।

सिंहेश्वर धाम में रात 1 बजे सरकारी पूजा के बाद पट खुलते ही हजारों की भीड़ मंदिर पहुंच गई। एक महिला श्रद्धालु लोहे की बैरिकेडिंग पर गिर गई, जिससे उसका सिर फट गया।

सूचना मिलते ही मधेपुरा डीएम, एसपी, एसडीएम और एसडीपीओ मंदिर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर भीड़ को कतार में किया गया। मंदिर न्यास समिति ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। सावन महीने के चौथे सोमवार को झारखंड के मंदिरों में भी हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। देवघर बाबा मंदिर से 4 किमी लंबी कांवड़ियों की लंबी लाइन लगी हुई है।

बिहार के समस्तीपुर के थानेश्वर स्थान मंदिर में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने की संभावना है।

निशांत की आधी रात सर्जिकल स्ट्राइक

डॉक्टर गायब चादर-पर्दे नदारद, भड़के स्वास्थ्य मंत्री

सीतामढ़ी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार अपने दो दिवसीय सीतामढ़ी दौरे के दौरान रविवार देर रात अचानक सीतामढ़ी सदर अस्पताल पहुंचे। मंत्री निशांत कुमार के इस औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

उन्होंने विभिन्न वार्डों का जायजा लिया और वहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल जाना। इस दौरान अस्पताल में साफ-सफाई की बदहाली, कमियों का अंबार और डॉक्टरों-कर्मचारियों की गैरहाजिरी देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। निशांत ने दोषी अधिकारियों और ड्यूटी से गायब कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'सीतामढ़ी सदर अस्पताल का बीती रात औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान साफ-सफाई की कमी, समय पर बेडशीट नहीं बदलने सहित कई अन्य कमियां सामने आईं। एम्बुलेंस सेवा, रेडियोलॉजिस्ट और आउटसोर्स स्ट्रेचर की जिम्मेदारी संभाल रही एजेंसियों के कामकाज की भी समीक्षा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों से सभी कमियों, जरूरी दवाओं, उपकरणों और मैनपावर की पूरी सूची मांगी है, ताकि व्यवस्था को बेहतर किया जा सके। मरीजों को बेहतर इलाज और जरूरी सुविधाएं मिलें, यह हमारी प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि अस्पताल में एंबुलेंस सेवा की मनमानी और आउटसोर्सिंग कार्यों की गहन जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा, 'अस्पताल प्रशासन से ड्यूटी से अनुपस्थित डॉक्टरों और कर्मियों की सूची मांगी गई है। लापरवाही बरतने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।'

गायब डॉक्टर और स्टाफ: औचक निरीक्षण के दौरान कई डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ ड्यूटी से गायब पाए गए।

सुविधाओं और साफ-सफाई का अभाव: मरीजों के बेड पर चादरें नहीं थीं, खिड़कियों से पर्दे नदारद थे और डॉक्टर बिना एप्रन पहने ड्यूटी कर रहे थे।

पीने के पानी का संकट: अस्पताल में लगे 4 आरओ बिजली कनेक्शन न होने के कारण बंद पड़े थे, जिससे मरीजों को पानी नहीं मिल पा रहा था।

स्कूल में बेटी को मच्छर ने काटा, डीएम से शिकायत

प्रोफेसर पिता ने कहा- स्कूल पूरी फीस लेता है, बीमार हुई तो कौन जिम्मेदार होगा

मुरादाबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद में प्रोफेसर की एलकेजी में पढ़ने वाली 6 साल की बेटी को स्कूल में मच्छर ने काट लिया। बच्ची ने घर में पिता को बताया तो उन्होंने डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को मेल करके स्कूल की शिकायत कर दी। प्रोफेसर पिता ने कहा- 'अगर मच्छर के काटने से उनकी बेटी को बीमारी होती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?'

प्रोफेसर डॉ. सोनू सिंह ने कहा- बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना स्कूल की जिम्मेदारी है। वह फीस लेते हैं। ऐसे में डीएम मामले में स्कूल की जवाबदेही तय करें। डॉ. सोनू सिंह एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। 19 अगस्त को उन्होंने डीएम को ई-मेल भेजकर शिकायत की।

यही नहीं, प्रोफेसर पिता ने कहा कि वे 8 साल तक अमेरिका में न्यूरोसाइकोलॉजी और न्यूरोसाइंसेज पर रिसर्च कर चुके हैं। इसलिए मच्छर से होने वाली बीमारियों के खतरे को अच्छी तरह समझते हैं। मामला कांठ रोड स्थित शिरडी साईं पब्लिक स्कूल का है।

प्रोफेसर ने शिकायत में कहा है- जब पहली बार बेटी को स्कूल में मच्छर ने काटा था तो इसकी शिकायत स्कूल डायरी में विद्यालय प्रशासन से की। बावजूद स्कूल की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद बेटी को फिर से मच्छर ने काट लिया। इसलिए उन्हें स्कूल की शिकायत करनी पड़ी।

पूरी फीस जमा, स्कूल जिम्मेदारी नहीं निभा रहा

उन्होंने कहा कि पैरेंट्स होने के नाते हम अपने बच्चों को स्कूल के भरोसे छोड़ते हैं। उम्मीद करते हैं कि स्कूल उन्हें एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएंगे। लेकिन पूरी फीस जमा करने के बाद भी स्कूल अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं।

'डॉल्फिन का तेल निकालूंगा', शिकार का मछुआरे ने बनाया वीडियो

पुलिस पहुंची घर तो परिजन बोले- नदी में फेंक दिया

सहरसा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा जिले में दो मछुआरा ने कोसी नदी में मछली पकड़ने के लिए जाल डाल रखा था। जाल में मछली के साथ एक डॉल्फिन भी फंस गई। डॉल्फिन के शिकार का मधुआरों ने वीडियो बनाया। वीडियो बनाने वाले एक मछुआरा दूसरे से पूछता है- 'अब इस डॉल्फिन का क्या करोगे?' इस पर वो जवाब देता है- 'डॉल्फिन का तेल निकालूंगा।' वीडियो सामने आने के बाद वन विभाग ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना डरहार थाना क्षेत्र की है। वीडियो 21 अगस्त का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, मछुआरे की पहचान नौहट्टा थाना क्षेत्र निवासी वीरेन्द्र मुखिया के रूप में हुई है।

ब्लाइंड केस में पुलिस को राह दिखाएगी खोजी डॉग 'रूही'

झांसी पुलिस को 3 साल बाद मिला खोजी कुत्ता, गंध सूंघकर आरोपी पकड़ने में माहिर

झांसी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी पुलिस के बेड़े में रूही नाम के एक खोजी डॉग को शामिल किया गया है। जर्मन शेफर्ड नस्ल की लेडी डॉग रूही गंध सूंघकर अपराधियों तक पहुंचने में माहिर है। इससे माना जा रहा है कि ये लेडी डॉग ब्लाइंड केस में पुलिस को राह दिखाएगी।

अपराधियों की धरपकड़ और अनसुलझे मामलों की गुत्थी सुलझाने में खोजी डॉग पहले भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। लेकिन दो खोजी डॉग की मौत के बाद 3 साल से खोजी डॉग की कमी खल रही थी। लेकिन अब झांसी को एक खोजी डॉग दिया गया है।

यह लेडी डॉग रूही ट्रैकर के तौर पर काम करेगी। ग्वालियर के टेकनपुर स्थित राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र में 9 माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद झांसी में उसे पहली तैनाती दी गई। उसके साथ डॉग हैंडलर और सहायक को भी इस लंबे प्रशिक्षण के बाद यहां भेजा गया है।

रूही घटनास्थल पर अपराधियों की गंध सूंघकर उन तक पहचाने में मदद करेगी। खास तौर से जिन मामलों में प्रत्यक्षदर्शी अथवा सीसीटीवी कैमरे नहीं होते, उनमें इनकी भूमिका अहम साबित हो सकेगी।

झांसी के डॉग स्क्वायड में लूसी और यूली नामक दो लेडी जर्मन शेफर्ड काम कर चुकी हैं। 50 से भी अधिक मामलों को सुलझाने में दोनों ने पुलिस की मदद की थी। यूली की 31 अगस्त 2023 को मौत हो गई, जबकि लूसी उर्फ रानी की 31 मई 2022 में मौत हुई थी। उनकी मौत के बाद से झांसी पुलिस के पास कोई खोजी कुत्ता नहीं बचा। अब रूही की तैनाती के बाद से झांसी में नया डॉग दस्ता तैयार हो गया। सीओ लाइन आसमा वकार का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर इसकी मदद ली जाएगी।

जर्मन शेफर्ड को उसकी बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास, साहस, सतर्कता, शारीरिक क्षमता और प्रशिक्षण को जल्दी सीखने की क्षमता के कारण पुलिस विभाग में सबसे अधिक मांग है। रूही के हैंडलर गौरव चाहर के मुताबिक अलग-अलग गंध पहचानने, किसी व्यक्ति की गंध का पीछा करने, विस्फोटक या मादक पदार्थ तलाशने और लापता लोगों की खोजने जैसे काम के लिए इसे प्रशिक्षित किया गया है। ट्रैकिंग में प्रशिक्षित कुत्ता किसी व्यक्ति की विशिष्ट गंध को पकड़कर उसके रास्ते का पीछा कर सकता है।

खौलते गुड़ की कढ़ाही में गिरकर जिंदा जला युवक

1 मिनट तड़पता रहा, 70 हजार कमाने लखीमपुर से महाराष्ट्र गया था

लखीमपुर-खीरी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। लखीमपुर का रहने वाला 25 साल का युवक खौलते गुड़ की कढ़ाई में गिरकर जिंदा जल गया। वह 1 मिनट तक कढ़ाई में तड़पता रहा। दर्द से तड़पते हुए वह 'बचाओ, अरे भैया बचाओ' गुहार लगाता रहा।

चीख सुनकर प्लांट में मौजूद उसके साथी दौड़े। बड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी पूरी खाल उतर चुकी थी। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना 21 अगस्त की है। वीडियो रविवार की शाम करीब 9 बजे सामने आया। युवक महाराष्ट्र के गुड़ प्लांट में काम करता था। परिवार पर 70 हजार रुपए कर्ज था। उसी कर्ज को उतारने के लिए वह कमाने महाराष्ट्र गया था।

लखीमपुर में ईसानगर के मूड़ी गांव के दानिश (25 साल) की शादी दो साल पहले हुई थी। वह करीब चार महीने पहले 15 अन्य लोगों के साथ महाराष्ट्र गया था। परिवार में पत्नी, दो महीने का बेटा, माता-पिता और एक बड़ा भाई और बहन हैं।

बड़े भाई गुड्डू पर 70 हजार रुपए का कर्ज था। उसे चुकाने के लिए ही वह कमाने गया था। तारीख 21 अगस्त, समय दोपहर 2:25 बजे। प्लांट में दो बड़ी-बड़ी कढ़ाई में गुड़ खौल रहा था।

दुर्गा शक्ति नागपाल का तबादला किया जाए

हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद पूर्व आईपीएस ने उठाई मांग

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर देवीपाटन मंडल की मंडलायुक्त आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल के तत्काल स्थानांतरण और पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। यह मांग इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ द्वारा 21 अगस्त 2026 को पारित एक आदेश के खिलाफ उठाई गई है। आदेश में न्यायालय ने गोंडा की सिविल जज और मंडलायुक्त के बीच हुई फोन वार्ता को न्याय-प्रशासन में अनुचित हस्तक्षेप माना है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने अपने पत्र में बताया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सिविल जज और कमिश्नर के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत का स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया इसे एक न्यायिक अधिकारी को प्रभावित करने और न्यायिक प्रक्रिया में दखल देने का गंभीर प्रयास करार दिया है।

हाई कोर्ट ने इस प्रकरण को न्याय-प्रशासन में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इसे आपराधिक अवमानना की सुनवाई के लिए सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अमिताभ ठाकुर ने मुख्य सचिव से मांग की है कि हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणियों और निर्देशों के क्रम में आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल को तुरंत गोंडा मंडल के कमिश्नर पद से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी का जिले या मंडल में बने रहना उचित नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने महिला जज के साथ हुई बातचीत और उसके बाद के संपूर्ण घटनाक्रम की एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय प्रशासनिक जांच कराने की भी मांग उठाई। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष ने शासन से यह भी आग्रह किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

मैं देशद्रोही नहीं हूं, दुनिया मुझे गद्दार समझती है

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का छलका दर्द

इनदिनों रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। कंटेस्टेंट दर्शकों को खूब एंटरटेन भी कर रहे हैं। इस बीच शो की कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि आखिर वह गद्दार का रोल क्यों नहीं करना चाहती थीं। रिया ने कहा कि उनकी जिंदगी में पहले ही काफी कुछ ऐसा हो चुका है, जिसकी वजह से लोग उन्हें गद्दार समझते हैं। ऐसे में वह शो में भी जानबूझकर वही छवि नहीं दिखाना चाहतीं।

'दुनिया मुझे पहले से ही गद्दार समझती है'

दरअसल, 'द ट्रेटर्स' सीजन- 2 के पांचवें एपिसोड में श्वेता तिवारी ने रिया से सवाल किया कि वह गद्दार क्यों नहीं हैं। इस पर रिया का जवाब देते हुए दिल भर आया। उन्होंने कहा कि वह गद्दार नहीं बनना चाहतीं। इसकी वजह उनकी निजी जिंदगी है। दुनिया उन्हें पहले से ही गद्दार समझती है। ऐसे में शो में आकर जानबूझकर लोगों को मारना और गद्दार की भूमिका निभाना उनके लिए मुश्किल होता।

रिया को डर था कि उनके इस रोल को लोग उनकी असल जिंदगी से जोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद उनके बारे में तरह-तरह के मीम्स भी बनाए जाएंगे और फिर उन्हें ट्रोल भी किया जाएगा। यह उनके लिए काफी बुरा होगा।

'मैं देश की सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं'

रिया ने शो में अपनी ट्रोलिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह देश में सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाले लोगों में से एक हैं। वह देशद्रोही नहीं हैं। लोगों ने उनके बारे में गलत धारणा बना रखी है। रिया ने यह भी बताया कि वह भीड़ के साथ चलने वाली इंसान नहीं हैं। वह आसानी से किसी के प्रभाव में नहीं आतीं। हालांकि, उनका मानना है कि उनकी पर्सनैलिटी ऐसी है, जिससे वह दूसरों को प्रभावित कर सकती हैं।

वहीं शो में रिया इस बार बच गईं। वहीं पारुल गुलाटी को शो से बाहर होना पड़ा। फिलहाल क्रिस्टल डिसूजा और शहनील गिल गद्दार के तौर पर गेम में बने हुए हैं। इससे पहले हरमन सिंघा भी गद्दार की भूमिका में थे, लेकिन तीसरे एपिसोड में पकड़े गए।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस का मुश्किल दौर

बता दें इससे पहले शो के होस्ट करण जौहर ने रिया से पूछा था कि वह मासूम बनना चाहेंगी या गद्दार। रिया ने बिना देर किए कहा कि वह मासूम बनना चाहती हैं।

रिया ने इसके पीछे 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद का अपना मुश्किल दौर बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक उन पर शक किया गया। उन्हें काफी समय तक संदेह की नजर से देखा गया। अब वह दोबारा उस तरह की स्थिति नहीं चाहतीं।

रिया ने कहा कि उन्हें इस साल क्लीन चिट मिलने के बाद लोगों को उनके निर्दोष होने की बात समझ आई। उनका कहना था कि उन्होंने कई साल तक यह सब झेला है। अब रिया काम पर वापस लौट चुकी हैं। 'द ट्रेटर्स' का दूसरा सीजन उनके लिए सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं है। यह उनके लिए अपनी बात लोगों के सामने रखने का एक मौका भी बन गया है।

'दीपिका ने फिल्म स्पिरिट की कहानी लीक की थी'

प्रोड्यूसर बोले- 10% प्रॉफिट मांगा था, मना किया तो कहानी लीक की; एक्ट्रेस को फिल्म से हटाया

प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका पादुकोण के बाहर होने को लेकर नया खुलासा हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में दावा किया कि दीपिका को फिल्म से हटाया गया था। उन्होंने बताया कि दीपिका ने भारी फीस के साथ फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। जब मेकर्स ने उनकी मांग नहीं मानी और दूसरे ऑप्शन तलाशना शुरू किया, तो एक्ट्रेस ने फिल्म की कहानी और किरदार से जुड़ी जानकारी लीक कर दी। प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि उनके भाई संदीप रेड्डी वांगा लगभग डेढ़ साल से दीपिका को फिल्म में लेने के लिए बातचीत कर रहे थे। लेकिन दीपिका ने ज्यादा फीस के साथ-साथ 10 प्रतिशत प्रॉफिट शेयर की शर्त रख दी। प्रणय ने कहा कि मेकर्स के बजट में यह मांग सही नहीं बैठ रही थी। जब मेकर्स ने किसी दूसरे स्टार को कास्ट करने पर विचार शुरू किया, तो दीपिका ने फिल्म का प्लॉट लीक कर दिया। प्रणय के मुताबिक, कहानी लीक होने से संदीप काफी नाराज हुए थे।

फिल्म 'स्पिरिट' के प्रोड्यूसर प्रणय रेड्डी वांगा।

प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में बिना नाम लिए दीपिका पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी भी एक्टर को कहानी सुनाते समय मेकर्स उन पर पूरा भरोसा करते हैं और दोनों के बीच एक अनकहा एग्रीमेंट होता है। प्रणय ने सवाल उठाया कि किसी यंग एक्टर को नीचा दिखाना और मेकर्स की सालों की मेहनत वाली कहानी लीक कर देना कौन सा फेमिनिज्म है। दीपिका के फिल्म से बाहर होने के बाद अब प्रभास के अपोजिट तृप्ति डिमरी को साइन किया गया है।

दूसरी तरफ, इस पूरे विवाद पर दीपिका पादुकोण का रुख अलग रहा है। 2025 में दिए इंटरव्यू में दीपिका ने कहा था कि वे अपनी लड़ाई हमेशा चुपचाप लड़ती हैं, लेकिन किसी वजह से बातें बाहर आ जाती हैं।

विवादों के बीच मेकर्स ने फिल्म 'स्पिरिट' की रिलीज डेट भी तय कर दी है। प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर यह एक्शन फिल्म 5 मार्च 2027 को ईद के मौके पर थिएटर्स में रिलीज होगी। इस दिन बॉक्स ऑफिस पर बड़ा टकराव देखने को मिलेगा।दरअसल, ईद पर ही सलमान खान और नयनतारा की नई फिल्म भी रिलीज होने वाली है।

फिल्मों में वापसी पर हेमा मालिनी ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'मैं इसके बारे में नहीं सोचती'

1970 और 1980 के दशक की शुरुआत में हेमा मालिनी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रह चुकी हैं। 77 साल की इस एक्ट्रेस ने हाल ही में एक्टिंग में वापसी के अपने प्लान पर बात की कि उन्हें अब कैमरे का सामना करना मुश्किल क्यों लगता है। उन्होंने अपने दिवंगत पति और दिग्गज स्टार धर्मेंद्र की यादों को भी ताजा किया और बताया कि वो उनके जाने के गम से कैसे उबर रही हैं।

'अब मैं एक्टिंग के बारे में सोचती ही नहीं हूं'

'मैं अकेले बहुत खुश हूं, लेकिन साथ घूमने वाला कोई हो', सोहेल खान की एक्स-वाइफ सीमा सजदेह ने प्यार और रिश्ते पर कही दिल की बात

हेमा मालिनी ने कहा, इसका जवाब देना मुश्किल है क्योंकि अब मैं इसके बारे में सोचती ही नहीं हूं। मैं जो कुछ भी कर रही हूं, उसमें खुश हूं। मैं अपने चुनाव क्षेत्र में लोगों के लिए काम करती हूं और फिर घर पर अपने बच्चों और पोते-पोतियों के साथ समय बिताती हूं। उन्हें मेरी जरूरत है। मैं धरमजी की यादों के साथ भी जी रही हूं। बस यही मेरी जिंदगी के खालीपन को भर देता है।

'हमने कभी लोगों की बातों की परवाह नहीं की'

हेमा ने धर्मेंद्र की यादों को पर बात करते हुए उनको एक 'शानदार लाइफ पार्टनर' बताया। उन्होंने बताया कि कैसे धर्मेंद्र ने उनके हर काम में उनका साथ दिया और यहां तक कि उन्हें अपना डांस जारी रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया। धर्मेंद्र के जाने के गम और उससे उबरने को लेकर भी एक्ट्रेस ने बात की और कहा कि दुख कभी खत्म नहीं होता और वो उन्हें बहुत याद करती हैं।

हेमा मालिनी ने अपनी और धर्मेंद्र की शादी पर लोगों की नजर और आलोचनाओं के बारे में

भी बात की, क्योंकि हेमा से शादी करने से पहले ही धर्मेंद्र प्रकाश कौर के साथ शादीशुदा थे और उनके 4 बच्चे भी थे। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने कभी उन बातों की परवाह नहीं की। हमने अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जी, न कि उन लोगों के लिए जो हमारी आलोचना करना या हमें जज करना चाहते थे। हमने सच्चे प्यार के साथ जिंदगी जी। शुरू से ही हमें पता था कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। कोई भी इसे बदल नहीं सकता था।

'AI से बनाई गई हर बात पर यकीन न करें'

धर्मेंद्र के निधन के बाद, हेमा मालिनी और धर्मेंद्र के पहले परिवार के बीच अनबन की काफी चर्चा हो रही थी। हेमा ने इन अफवाहों और अटकलों पर बात की और ख़बरों को मनगढ़ंत बताया। उन्होंने उनके परिवार को 'यूनाइटेड फैमिली' बताया और कहा कि हम सभी एक-दूसरे के साथ खुश हैं। उन्होंने अपने फैंस से अनुरोध किया और सलाह भी दी कि 'AI से बनाई गई हर बात पर यकीन न करें।'

फिल्म 'बंटवारा 1947' को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हेमा मालिनी ने इसकी कहानी और फिल्म की पूरी टीम की तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म देखने के बाद अपना रिव्यु शेयर किया। उन्होंने फिल्म को प्रभावशाली बताते हुए कहा कि इसकी कहानी में ऐसा संदेश है, जिसकी मौजूदा समय में खास जरूरत महसूस होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म देखने वाले लोग इसके संदेश को समझेंगे और अपने नजरिए में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे। हेमा मालिनी ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसके निर्देशक राजकुमार संतोषी के निर्देशन को शानदार बताया। उन्होंने सनी देओल और दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी के अभिनय की भी प्रशंसा की।

धर्मेंद्र की दोनों फैमिलीज के बारे में

धर्मेंद्र ने 1954 में प्रकाश कौर से शादी की थी और उनसे उनके चार बच्चे थे, दो बेटे, सनी देओल और बॉबी देओल, और दो बेटियां, विजेता और अजीता। बाद में, 1980 में उन्होंने एक्ट्रेस हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां हैं, ईशा देओल और अहाना देओल। बता दें कि हेमा मालिनी से शादी के बाद भी धर्मेंद्र और प्रकाश कौर की शादी कानूनी रूप से बनी रही।

आलीशान बंगला और कई महंगी गाड़ियां करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं रवि तेजा

शिवा निर्वाण निर्देशन रवि तेजा की फिल्म 'इरुमुडी' एक सामाजिक संदेश देती है। यह रवि तेजा की मसाला और एक्शन फिल्मों से बिल्कुल अलग है। फिल्म को दर्शकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म की चर्चा के बीच रवि तेजा की नेटवर्थ के बारे में भी जानिए।

कितनी संपत्ति के मालिक हैं रवि तेजा?

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता रवि तेजा की कुल संपत्ति लगभग 121 करोड़ रुपये है। वह हर फिल्म के लिए 6 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। फिल्मों के अलावा एड फिल्म्स से भी रवि तेजा को करोड़ों रुपये की कमाई होती है।

परिवार के लिए बनाया आलीशान बंगला

रवि तेजा ने अपने परिवार के लिए आंध्र प्रदेश के जग्गामपेटा में एक आलीशान बंगला बनाया है। इसकी कीमत लगभग 16 करोड़ रुपये बताई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बंगले के अलावा भी उनके पास कुछ और प्रॉपर्टीज हैं, जिनकी कीमत भी करोड़ रुपये में बताई जाती है।

लग्जरी गाड़ियों का भी शौक रखते हैं रवि

रवि तेजा फिल्मों में बाइक, कार के साथ खूब स्टंट करते हैं। उन्हें लग्जरी गाड़ियों से गहरा लगाव है। अभिनेता के पास लग्जरी गाड़ियों का कलेक्शन है। उनके पास मर्सिडीज बेंज एस क्लास, बीएमडब्ल्यू एम 6 और रेंज रोवर इवोक जैसी लग्जरी कार मौजूद हैं।

अभिनेता की फिल्म 'इरुमुडी' का कैसा रहा कलेक्शन?

अभिनेता रवि तेजा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'इरुमुडी' में प्रिया भवानी शंकर, साइ कुमार, बेबी नक्षत्र, अजय घोष, रमेश इंद्रिरा, स्वासिका, लक्ष्मण और राजकुमार जैसे कलाकार भी मौजूद हैं। इस फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने पहले दिन 6.76 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है

'शुगर डैडी' से लेकर 'गोविंदा जैसा पति नहीं चाहिए तक', सुनीता आहूजा के पति को लेकर अब तक 5 शॉकिंग बयान

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में है। दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच मुंबई की फैमिली कोर्ट के बाहर सुनीता को देखे जाने के बाद एक बार फिर उनके वैवाहिक रिश्ते की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि गोविंदा के मैनेजर ने साफ किया उनका तलाक नहीं हो रहा है।

गोविंदा का नाम अभिनेत्री कोमल रानी के साथ जोड़े जाने के बाद भी कई तरह की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, इन चर्चाओं के बीच सुनीता कई मौकों पर अपने पति को लेकर खुलकर बात कर चुकी हैं। उनके कुछ पुराने बयान आज फिर चर्चा में हैं।

'गोविंदा की जिंदगी में कई अफेयर्स रहे हैं'

सुनीता आहूजा ने एक रियलिटी शो में गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर बेबाक अंदाज में बात की थी। पति के कथित अफेयर्स पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा था कि प्यार में कई चीजों को नजरअंदाज करना पड़ता है।

उन्होंने ये भी हिंट दिया था कि गोविंदा की जिंदगी में कई अफेयर्स रहे और फिल्म इंडस्ट्री में हीरो-हीरोइनों के बीच ऐसी चीजें होती रहती हैं। सुनीता का यह अंदाज लोगों के लिए हैरान करने वाला था, क्योंकि उन्होंने पति की निजी जिंदगी से जुड़े सवाल का जवाब काफी सीधे तरीके से दिया था।

'अगले जन्म में गोविंदा जैसा बेटा चाहिए, पति नहीं'

सुनीता का एक और बयान काफी सुर्खियों में रहा है। उन्होंने अलग-अलग इंटरव्यू और टीवी कार्यक्रमों में कहा कि गोविंदा एक बेटे के तौर पर बेहद अच्छे और जिम्मेदार हैं। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले जन्म में भी गोविंदा को अपना पति बनाना चाहेंगी, तो उनका जवाब अलग था। सुनीता ने कहा था कि वह गोविंदा जैसा बेटा तो चाहेंगी, लेकिन पति के रूप में उन्हें दोबारा नहीं चुनेंगी। उन्होंने यह भी बताया था कि पति की जवानी की गलतियों को उन्होंने माफ कर दिया, लेकिन दोबारा उसी रिश्ते में जाने की इच्छा नहीं है।

'घुटने पर गोली तभी लगती है जब कोई जिंदगी में आता है'

गोविंदा के पैर में गोली लगने की पुरानी घटना भी एक समय चर्चा में रही थी। इसी घटना से जुड़े सवाल पर सुनीता ने एक टीवी शो में मजाकिया लेकिन चौंकाने वाली टिप्पणी की थी। उन्होंने इशारों-इशारों में कहा था कि किसी व्यक्ति के घुटने पर गोली लगने के पीछे भी कोई वजह होती है और जब जिंदगी में कोई नया व्यक्ति आता है, तभी ऐसी स्थिति बनती है। उनके इस बयान को गोविंदा की निजी जिंदगी और कथित रिश्तों से जोड़कर देखा गया था।

'उसे शर्म आनी चाहिए, वो बेटी की उम्र की है'

हाल के विवाद में सुनीता का 'शुगर डैडी' वाला बयान सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। गोविंदा की युवा को-स्टार के साथ उनकी तस्वीरें और सार्वजनिक मौजूदगी सामने आने के बाद सुनीता ने पपराजी से बातचीत में नाराजगी जताई थी। उन्होंने अभिनेत्री की उम्र को लेकर सवाल उठाया और गोविंदा के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए उन्हें 'शुगर डैडी' तक कह दिया। सुनीता ने यह भी कहा था कि एक व्यक्ति को अपनी सामाजिक मर्यादा और एक स्तर बनाए रखना चाहिए।

'हीरो की पत्नी बनने के लिए दिल पत्थर का होना चाहिए'

सुनीता ने एक पुराने इंटरव्यू में फिल्म स्टार की पत्नी होने की मुश्किलों पर भी खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि किसी अभिनेता की पत्नी बनना आसान नहीं होता, क्योंकि कलाकार अक्सर अपने परिवार से ज्यादा समय सह-कलाकारों के साथ बिताते हैं। अपने लंबे वैवाहिक जीवन का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने माना था कि ऐसी शादी को निभाने के लिए महिला का बहुत मजबूत होना जरूरी है।

गोविंदा और सुनीता की शादी को करीब चार दशक हो चुके हैं। इस दौरान दोनों के रिश्ते में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन दोनों ने परिवार को साथ रखा। अब फैमिली कोर्ट से जुड़ी ताजा चर्चा के बीच सुनीता के ये पुराने बयान फिर से लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। हालांकि, उनके रिश्ते को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दोनों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार करना जरूरी है।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com